स्नातकोत्तर उपाधि
औद्योगिक संगठन प्रबंधन

स्नातकोत्तर उपाधि
औद्योगिक संगठन प्रबंधन

» रुपात्मकता: ऑनलाइन
» अवधि: 12 महीने
» उपाधि: TECH Global University
» प्रमाणन: 60 ECTS
» अनुसूची: अपनी गति से
» परीक्षा: ऑनलाइन

वेब पेज: www.techtitute.com/in/engineering/professional-master-degree/master-industrial-organization-management

सूची

01
प्रस्तुतिकरण
पेज 4

02
उद्देश्य
पेज 8

03
कौशल
पेज 14

04
संरचना और विषय वस्तु
पेज 18

05
प्रणाली
पेज 30

06
उपाधि
पेज 38

01

प्रस्तुतिकरण

व्यापारिक दुनिया में, समाज की जरूरतों, वैज्ञानिक-तकनीकी ज्ञान और उत्पादन प्रक्रियाओं के प्रबंधन के बीच एक सेतु स्थापित करना ऐतिहासिक और आधुनिक युग दोनों में एक प्रसिद्ध तथ्य है। लेकिन नए मॉडलों को बनाए रखने और उनके अनुकूल ढलने तथा परियोजना प्रबंधन के मूलभूत पहलुओं की उपेक्षा किए बिना उद्यमशीलता की नवोन्मेषी भावना को प्रोत्साहित करने के लिए, नए नेतृत्वकर्ता के लिए विशिष्ट ज्ञान के विकास की आवश्यकता होती है। इस कार्यक्रम में, आज औद्योगिक संगठन प्रबंधन के लिए मौलिक विषयों को पूरी तरह से ऑनलाइन तरीके से विकसित किया जाता है, जिसे केवल 12 महीनों में पूरा किया जा सकता है।

"औद्योगिक संगठन प्रबंधन में खुद को विकसित करें और बाजार के लिए इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में नवीनतम प्रगति को अपने पेशेवर अभ्यास में शामिल करें"

संगठनात्मक प्रबंधन के क्षेत्र में सर्वोत्तम निर्णय लेने के लिए वर्तमान बाजार संदर्भ, कंपनी की क्षमताओं, इसके घटकों और इसकी वर्तमान उत्पादन प्रक्रिया की पूरी समझ की आवश्यकता होती है और उन जोखिमों का पूर्वानुमान लगाना होता है, जिनका सामना करना पड़ सकता है और उन सीमाओं तक पहुंचना होता है। पूर्ण प्रतिस्पर्धा, लेन-देन लागत और सरकारी या नियामक कार्रवाई जैसे मुद्दे कार्यक्रम के दौरान मूल्यांकन किए जाने वाले तत्वों का हिस्सा हैं।

औद्योगिक संगठन प्रबंधन में इस पेशेवर स्नातकोत्तर उपाधि का एक अनूठा और अलग दृष्टिकोण है। व्यावसायिक संदर्भों में वास्तविक स्थितियों के विश्लेषण के साथ और नए कंपनी प्रबंधकों और नेताओं के प्रोफाइल को बढ़ाने के लिए एक शोध दृष्टिकोण के साथ जो औद्योगिक संगठन और उसके पर्यावरण की जरूरतों के अनुसार नए टिकाऊ उत्पादन मॉडल डिजाइन करने में सक्षम हैं।

किसी कंपनी के कार्यात्मक क्षेत्रों के प्रबंधन में मूलभूत सिद्धांतों को विकसित किया जाएगा: उत्पादन, निवेश, वित्तपोषण और विपणन, गुणवत्ता और औद्योगिक सुरक्षा के संदर्भ में वर्तमान नियामक ढांचे को ध्यान में रखते हुए। पेशेवरों को उत्पादक इकाई कार्य की गतिशीलता और उनके कार्यों के बीच परस्पर क्रिया के बारे में समस्त ज्ञान प्रदान करना, ताकि प्रस्तावित रणनीतिक योजना के लिए उपयुक्त कुशल परिणाम प्राप्त करने में उनके महत्व को समझा जा सके।

इसलिए, व्यवसाय प्रबंधन के क्षेत्र में पेशेवर विभिन्न दृष्टिकोणों और स्थितियों से मूल्य उत्पन्न करने में सक्षम होंगे, जैसे कि सामान्य, वित्तीय या वाणिज्यिक प्रबंधन, तथा नवाचार और अंतर्राष्ट्रीयकरण के संदर्भ में प्रगतिशील समाधान प्रदान करना। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि सीखने की प्रक्रिया 12 महीने की अवधि में पूरी तरह से ऑनलाइन है, एक पुनर्शिक्षण पद्धति के तहत, जो पेशेवरों को अपने दैनिक जीवन में कार्यों का त्याग किए बिना प्रशिक्षित होने की अनुमति देता है, जिससे उन्हें आवश्यक गुणवत्ता और लचीलापन प्राप्त होता है।

यह **औद्योगिक संगठन प्रबंधन में स्नातकोत्तर उपाधि** बाजार का सबसे पूर्ण और अद्यतन कार्यक्रम प्रदान करता है। इसकी सबसे उल्लेखनीय विशेषताएं हैं:

- औद्योगिक इंजीनियरिंग में विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत केस स्टडीज
- ग्राफिक, योजनाबद्ध और व्यावहारिक विषय-वस्तु जिसके साथ वे बनाए गए हैं, पेशेवर अभ्यास के लिए आवश्यक विषयों पर वैज्ञानिक और व्यावहारिक जानकारी प्रदान करते हैं
- व्यावहारिक अभ्यास जहां सीखने में सुधार के लिए स्व-मूल्यांकन का उपयोग किया जा सकता है
- नवीन पद्धतियों पर इसका विशेष जोर है
- सैद्धांतिक पाठ, विशेषज्ञ से प्रश्न, विवादास्पद विषयों पर बहस मंच और व्यक्तिगत प्रतिबिंब कार्य
- वह विषय-वस्तु जो इंटरनेट कनेक्शन के साथ किसी भी स्थिर या पोर्टेबल डिवाइस से पहुंच योग्य है

“औद्योगिक संगठन प्रबंधन व्यावसायिक वातावरण में सामान्य मूल्य और धन सृजन की प्रक्रियाओं की कुंजी है”

> यह उपाधि आपको उत्पाद डिजाइन और नवाचार प्रबंधन में सबसे अद्यतन ज्ञान प्रदान करेगी। अभी नामांकन करें और 12 महीने में विशेषज्ञ बने”

कंपनी की उत्पादन प्रक्रियाओं के लिए विकास और निरंतर सुधार योजनाओं के डिजाइन में निपुणता प्राप्त करें।

TECH आपको 100% ऑनलाइन नवीन अध्ययन पद्धति प्रदान करता है, जो आपको अपनी वर्तमान गतिविधियों को अपनी प्रशिक्षण प्रक्रिया के साथ संतुलित करने की अनुमति देगा।

कार्यक्रम के शिक्षण कर्मचारी में इस क्षेत्र के पेशेवर शामिल हैं, जो इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपने कार्य अनुभव का योगदान देते हैं, साथ ही अग्रणी समाजों और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के प्रसिद्ध विशेषज्ञ भी शामिल हैं।

नवीनतम शैक्षिक प्रौद्योगिकी के साथ विकसित की गई मल्टीमीडिया विषय-वस्तु, पेशेवर को स्थित और प्रासंगिक शिक्षा प्रदान करेगी, यानी एक अनुरुपित वातावरण जो वास्तविक परिस्थितियों में प्रशिक्षित करने के लिए प्रोग्राम किया गया गहन प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

यह कार्यक्रम समस्या-आधारित शिक्षा के आसपास तैयार किया गया है, जिससे पेशेवर को शैक्षणिक वर्ष के दौरान उत्पन्न होने वाली विभिन्न व्यावसायिक अभ्यास स्थितियों को हल करने का प्रयास करना चाहिए। इस उद्देश्य के लिए, प्रसिद्ध और अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा बनाई गई एक अभिनव इंटरैक्टिव वीडियो प्रणाली द्वारा छात्र की सहायता की जाएगी।

02

उद्देश्य

औद्योगिक संगठन प्रबंधन में इस व्यावसायिक स्नातकोत्तर उपाधि का मुख्य उद्देश्य पेशेवरों को किसी कंपनी के कार्यात्मक क्षेत्रों, जैसे उत्पादन, निवेश, वित्तपोषण और विपणन के प्रबंधन में मौलिक सिद्धांतों को समझना है। स्थिरता से संबंधित पहलुओं को ध्यान में रखने से कंपनी प्रबंधन और लाभप्रदता प्रभावित हो सकती है। इस वास्तविकता को देखते हुए, पेशेवरों को किसी भी संगठन के समुचित संचालन और विकास के लिए उन्नत समाधान प्रदान करना होगा।

व्यावसायिक वातावरण को प्रबंधन क्षेत्रों में प्रशिक्षित पेशेवरों की आवश्यकता होती है, जो उन्हें सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ने में मदद कर सकें। यह आपका मौका है। अभी शुरु करें"

सामान्य उद्देश्य

- कंपनी के कार्यों और उसमें शामिल तत्वों को समझें
- कंपनी के भीतर नए उत्पादन मॉडल और रणनीति विकसित करना
- कंपनी के उत्पादन डिजाइन में नई चीजों को समझें, स्थिरता और उत्पाद जीवन चक्र पर विचार करें
- गुणवत्ता और औद्योगिक सुरक्षा के संदर्भ में नियामक नीतियों का अनुपालन करना
- गुणवत्ता और समस्या समाधान के आधार पर उत्पादन प्रक्रियाएं अपनाना
- उत्पादन प्रक्रियाओं के भीतर योजना के महत्व को समझें, उत्पादन इकाइयाँ कार्य गतिकी और कार्य अंतःक्रिया
- औद्योगिक संगठन को वर्तमान और भविष्य के संदर्भों में समायोजित रखरखाव योजनाओं को तैयार करने की आवश्यकता का विश्लेषण करें
- उद्यमिता में नए व्यवसाय मॉडल, इसके घटकों और विभिन्न मूल्य प्रस्तावों को जानें
- व्यावसायिक दृष्टिकोण में रचनात्मकता और नवाचार के महत्व को समझें
- डिजिटल युग में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न साधनों का विश्लेषण करें
- लॉजिस्टिक और वितरण प्रबंधन प्रणालियों के संचालन में गहराई से जाना
- आपूर्ति श्रृंखलाओं पर सूचना प्रणालियों के प्रभाव का विश्लेषण करें
- व्यावसायिक परियोजना प्रबंधन प्रक्रियाओं में कार्यप्रणाली को समझें
- औद्योगिक संयंत्रों या कार्य स्थलों के भीतर व्यावसायिक दुर्घटनाओं की निवारण , जोखिमों और कानूनी ढांचे के बारे में गहराई से जानें
- कंपनी में महत्वपूर्ण स्थितियों का जवाब देने के लिए विभिन्न संगठनात्मक रणनीतियों को समझें

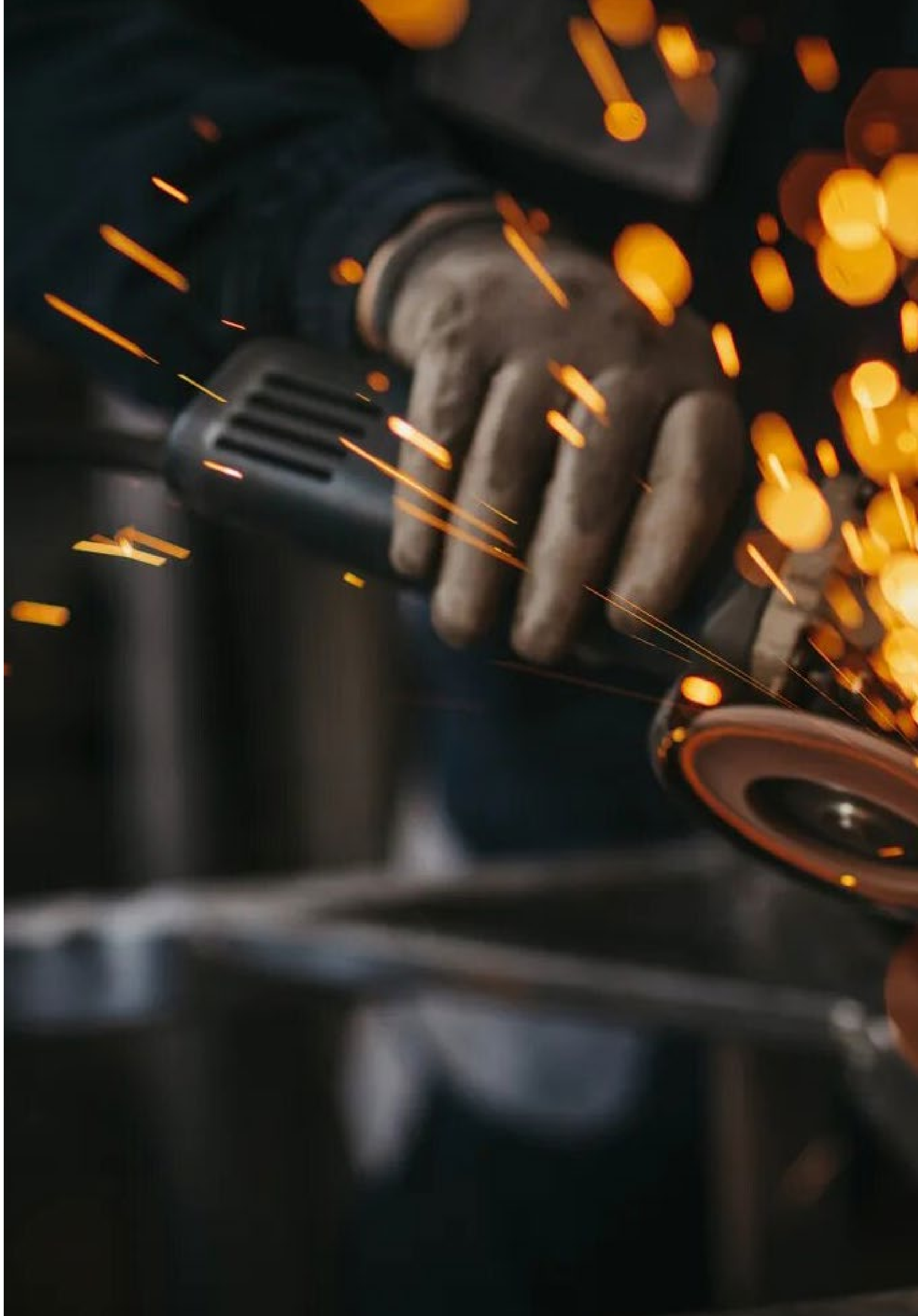

विशिष्ट उद्देश्य

मॉड्यूल 1. व्यावसायिक संगठन का परिचय

- व्यापार को विनियमित करने वाले अंतरराष्ट्रीय कानूनी ढांचे की मुख्य विशेषताओं की पहचान करें
- कंपनी के कार्यात्मक क्षेत्रों के प्रबंधन में बुनियादी सिद्धांतों की पहचान करें: उत्पादन, निवेश, वित्तपोषण और विपणन
- सस्टेनेबिलिटी से उन पहलुओं की व्याख्या करें, जो कंपनी प्रबंधन को प्रभावित कर सकते हैं
- कंपनी और संगठन की अवधारणाओं और उनके सैद्धांतिक विकास की पहचान करें
- प्रतिस्पर्धात्मकता और रणनीतिक दिशा पर विचार करते हुए पर्याप्त व्यवसाय प्रबंधन के पक्ष में कार्यों का प्रस्ताव करें
- प्रस्तावित स्थितियों में फर्म और बाजार के बीच संबंधों की व्याख्या करें
- निगमित प्रशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व के मूलभूत पहलुओं की पहचान करना
- प्रबंधन प्रणालियों, निगमित संस्कृतियों और संगठनात्मक शक्ति की मुख्य विशेषताओं की पहचान करें

मॉड्यूल 2. उत्पादन, खरीद और गोदामों की प्रणालियाँ

- उत्पादन प्रणाली मॉडल और रणनीतियों के मूलभूत पहलुओं की पहचान करें
- यांत्रिकी, विषय-वस्तु और विनिर्माण के अर्जित ज्ञान को अभिनव और रचनात्मक तरीके से लागू करें
- विनिर्माण प्रक्रियाओं के चरणों और संचालन की पहचान करें
- उत्पादों और सुविधाओं के कार्यान्वयन के लिए गणना और माप करें
- उपयोग की इष्टतम स्थितियों को सुनिश्चित करने के लिए औद्योगिक बुनियादी ढांचे (सुविधाओं और उपकरणों) का मूल्यांकन करें
- डिजाइन उत्पाद और सुविधा कार्यान्वयन परियोजनाएं
- बहु-विषयक और अंतर्राष्ट्रीय टीमों का उपयोग करें
- रखरखाव के प्रकारों और योजनाओं की पहचान और डिजाइन करें

मॉड्यूल 3. उत्पाद डिजाइन और नवाचार प्रबंधन
- उत्पादन प्रणाली डिजाइन के मूलभूत पहलुओं की पहचान करें।
- उत्पाद डिजाइन में स्थायी नवाचार मानदंड लागू करें
- उत्पाद डिजाइन जीवन चक्र और चरणों का विश्लेषण करें
- औद्योगिक संगठनों के लिए डिजाइन प्रबंधन प्रक्रियाएं जो नवाचार और स्थिरता को ध्यान में रखती हैं
- टिकाऊ उत्पादों की खोज में उत्पाद जीवन चक्र मानदंड लागू करें
- एक स्थायी दृष्टिकोण से एक व्यावसायिक रणनीति के रूप में नवाचार की मुख्य विशेषताओं की पहचान करें

मॉड्यूल 4. गुणवत्ता प्रबंधन
- गुणवत्ता और औद्योगिक सुरक्षा पर वर्तमान विनियमों के मूलभूत पहलुओं की पहचान करना
- विभिन्न गुणवत्ता प्रबंधन मॉडलों की मुख्य विशेषताओं की पहचान करें
- विशिष्ट औद्योगिक वातावरण में गुणवत्ता प्रबंधन मॉडल लागू करें
- औद्योगिक प्रक्रियाओं में निरंतर सुधार के लिए विश्लेषण, नियंत्रण और निर्णय लेना
- जान लें कि गुणवत्ता आश्वासन उपकरणों का सही तरीके से उपयोग कैसे करें
- वास्तविक संदर्भों में स्थानीय प्रबंधन प्रक्रियाओं की योजना बनाएँ
- औद्योगिक प्रक्रियाओं में निरंतर सुधार के लिए विश्लेषण, नियंत्रण और निर्णय लेना
- प्रक्रिया सुधार और गुणवत्ता समस्या समाधान विधियों की पहचान करें और उनका चयन करें

मॉड्यूल 5. उत्पादन योजना एवं नियंत्रण
- विस्तृत ज्ञान उत्पादन इकाइयां कार्य गतिशीलता और कार्यक्षमता इंटरैक्शन प्राप्त करना
- एक प्रमुख लाभप्रदता उपकरण के रूप में उत्पादन योजना के महत्व को संबोधित करें
- पारंपरिक विनिर्माण प्रक्रियाओं के संबंध में लीन सोच के मूल सिद्धांतों और इसके मुख्य अंतरों का गहन ज्ञान प्राप्त करना
- विभिन्न उत्पादन नियोजन प्रणालियों का विश्लेषण और कार्यान्वयन
- प्रत्येक औद्योगिक संगठन के लिए उपयुक्त रखरखाव योजनाएँ स्थापित करना

मॉड्यूल 6. व्यवसाय निर्माण
- एक उद्यमी के रूप में अपनी क्षमताओं और प्रेरणाओं को पहचानना
- कंपनी बनाने के लिए व्यावसायिक परियोजनाओं में बुनियादी पहलुओं की व्यावहारिक रूप से पहचान करें
- व्यक्तिगत और समूह में रचनात्मकता विकसित करने के लिए उपकरणों का प्रयोग करें
- वित्तपोषण प्रक्रियाओं में मुख्य चरणों की पहचान करें
- प्रस्तावित विशिष्ट मामलों में उत्पाद डिजाइन और नवाचार की कार्यप्रणाली और मॉडल को लागू करें
- स्टार्टअप फंडिंग चक्र, पूंजी के प्रकार और निवेशकों के प्रकार की व्याख्या करें
- उत्पाद और ग्राहक जीवन चक्र के प्रमुख पहलुओं की पहचान करें
- किसी वास्तविक संगठन के लिए व्यवसाय योजना डिज़ाइन करें

मॉड्यूल 7. लॉजिस्टिक और वितरण प्रबंधन
- कंपनी में लॉजिस्टिक्स कार्यों के लिए मूलभूत पहलुओं और सिद्धांतों की पहचान करें
- तेजी से वैश्विक और डिजिटल होती दुनिया में कंपनियों के लिए प्रतिस्पर्धात्मक लाभ के कारक के रूप में लॉजिस्टिक्स के रणनीतिक मूल्य की व्याख्या करें
- किसी व्यवसाय की आवश्यकताओं के अनुसार आपूर्ति श्रृंखला को डिज़ाइन करें
- मांग और परिवहन प्रबंधन की योजना और प्रबंधन के लिए उपयुक्त रणनीतियों की पहचान करना
- उचित भंडारण और हैंडलिंग प्रबंधन को प्रोत्साहित करने के लिए कार्रवाई का प्रस्ताव करें
- विशिष्ट संदर्भों में उत्पादन प्रबंधन में सुधार के लिए रणनीति प्रस्तावित करें
- क्रय एवं खरीद प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए रणनीति की पहचान करना

मॉड्यूल 8. कंपनी परियोजना प्रबंधन

- छात्रों को बहुविषयक कंपनी परियोजनाओं के प्रबंधन, निर्देशन और प्रशासन से परिचित कराना
- संगठन के संसाधनों और लोगों की योजना बनाना, उन्हें व्यवस्थित करना, सुरक्षित करना और उनका समन्वय करना
- किसी भी प्रकार की परियोजना और स्थिति में ज्ञान को लागू करने की क्षमता अर्जित करें
- व्यावसायिक परियोजनाओं के समय, बजट और दायरे को नियंत्रित करें
- औद्योगिक संगठन इंजीनियरिंग के क्षेत्र में परियोजनाओं का प्रबंधन और निर्देशन करना

मॉड्यूल 9. व्यावसायिक और औद्योगिक सुरक्षा

- वर्तमान विनियमों का अनुपालन करें और सही निवारण प्रबंधन प्रणाली विकसित करने के लिए आवश्यक न्यूनतम दस्तावेज रखें
- प्रभावी जोखिम निवारण प्रबंधन करने के लिए व्यावसायिक जोखिम निवारण में परिचालन प्रबंधन का विश्लेषण करें
- व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा में पर्याप्त खतरे की पहचान और जोखिम मूल्यांकन का विस्तार करें
- व्यावसायिक दुर्घटनाओं को न्यूनतम करने के लिए व्यावसायिक जोखिम निवारण प्रबंधन प्रणाली पर ध्यान केन्द्रित करना तथा निरंतर सुधार को प्राथमिकता देना

मॉड्यूल 10. संगठनों में संकट प्रबंधन

- कंपनी में विभिन्न संकट स्थितियों और उनके प्रभावों की पहचान करें
- संकट की स्थितियों को कुशलतापूर्वक हल करने के लिए संगठन के व्यवहार और हस्तक्षेप मानदंडों का विश्लेषण करें
- कुशल प्रबंधन तकनीकों का उपयोग करके संकट या जोखिम की स्थितियों से निपटने के लिए सबसे उपयुक्त तकनीकों की पहचान करना
- संचार और बातचीत की रणनीति तैयार करें जो अनुकूलनीय और रणनीतिक नेतृत्व की अनुमति दे
- प्रस्तावित मामलों के लिए सकारात्मक बातचीत और संकट संचार प्रबंधन प्रक्रियाएं डिजाइन करें

> “औद्योगिक संगठन प्रबंधन में नवीनतम प्रगति का लाभ उठाएं और अपने सभी व्यावसायिक लक्ष्यों को प्राप्त करें”

03

कौशल

औद्योगिक संगठन प्रबंधन में इस पेशेवर स्नातकोत्तर उपाधि के दौरान, छात्र कई प्रकार की दक्षताओं का विकास करने में सक्षम होंगे, जो उन्हें इस क्षेत्र में विशेषज्ञ और अद्यतन पेशेवर बना देगा। वे कम्पनियों और उनके घटकों को पूरी तरह से समझ सकेंगे और व्यावसायिक वातावरण में विकास करने, उत्पादन और लॉजिस्टिक्स प्रणालियों का प्रबंधन करने के साथ-साथ उत्पादों, योजनाओं और प्रक्रियाओं को डिजाइन करने में सक्षम होंगे; इसके अलावा उन्हें कानूनी विनियमन, निवारण , सुरक्षा और संकट प्रबंधन का व्यापक ज्ञान भी प्राप्त होगा।

“इस पेशेवर स्नातकोटार उपाधि की बदौलत एक महान बिजनेस लीडर बनने के लिए सर्वोत्तम योग्यताएं विकसित करें”

सामान्य कौशल

- उद्देश्यों और लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए व्यावसायिक संगठन के महत्व के संबंध में मानदंड तैयार करना
- व्यवसाय नियोजन के लिए उपकरण लागू करें
- व्यवसाय प्रबंधन के अंतर्गत नेतृत्व प्रोफ़ाइल विकसित करें
- समझें कि मानव संसाधन विभाग कैसे काम करता है और कंपनी के लिए इसका क्या महत्व है
- व्यवसाय प्रबंधन के लिए विपणन और वित्त की अवधारणाओं में निपुणता प्राप्त करें
- उत्पादन प्रणालियों के भीतर विभिन्न संरचनाओं, उनके डिजाइन और संचालन नियंत्रण का प्रबंधन करें
- नवाचार प्रबंधन के लिए उपयुक्त नए उत्पाद डिजाइन मॉडल तैयार करें
- संगठनों के भीतर गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों की कार्यप्रणाली को समझना
- गुणवत्ता प्रबंधन में निरंतर सुधार की पद्धतियों को लागू करें
- विनिर्माण योजना चरणों में निपुणता प्राप्त करें
- उद्योग में सर्वाधिक क्रियान्वित मॉडलों के अनुसार उत्पादन संगठन का प्रबंधन करें
- व्यवसाय सृजन और उद्यमिता के ढांचे के भीतर मूल्य प्रस्ताव तैयार करना
- कंपनी की उत्पादन प्रक्रिया के भीतर लॉजिस्टिक और वितरण प्रबंधन प्रक्रियाओं को समझें
- चुस्त कार्यप्रणाली के आधार पर व्यावसायिक परियोजनाएं विकसित करना
- कंपनी और उसकी उत्पादन प्रक्रियाओं से जुड़े जोखिमों के अनुसार व्यावसायिक सुरक्षा और निवारण योजनाएँ तैयार करना
- ऐसी योजनाएँ डिज़ाइन करें, जो कंपनी के भीतर प्रस्तुत विभिन्न मामलों को संबोधित करें जो इसे नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकते हैं

विशिष्ट कौशल

- प्रबंधन प्रणालियों, कॉर्पोरेट संस्कृति और संगठनात्मक शक्ति को समझें
- प्रतिस्पर्धात्मकता और रणनीतिक दिशा पर विचार करते हुए व्यवसाय प्रबंधन के पक्ष में कार्य उत्पन्न करें
- बहु-विषयक, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय टीमों का प्रबंधन करना
- औद्योगिक संगठनों के लिए प्रबंधन प्रक्रियाओं को सक्षम करें जो नवाचार और स्थिरता को ध्यान में रखते हैं
- निरंतर सुधार प्रबंधन प्रक्रियाओं में निर्णय लेने के दौरान कार्य करना
- स्थान प्रबंधन प्रक्रियाओं के लिए प्रभावी योजनाएँ डिज़ाइन करें
- विभिन्न उत्पादन योजना प्रणालियों को लागू करें
- कंपनी की उत्पादक प्रक्रिया के लिए उद्यमशीलता की भावना पैदा करें
- केस स्टडी के बाद व्यवसाय योजनाएँ तैयार करें
- कंपनी में लॉजिस्टिक्स कार्यों के सिद्धांतों को समझें
- बहु-विषयक कंपनी परियोजनाओं का प्रबंधन, निर्देशन और प्रशासन
- कंपनी की जोखिम निवारण योजना का विकास और प्रभावी ढंग से प्रबंधन करें
- कंपनी के भीतर संकट स्थितियों के लिए कार्य योजनाएँ प्रस्तावित करें

04

संरचना और विषय वस्तु

औद्योगिक संगठन प्रबंधन में इस पेशेवर स्नातकोत्तर उपाधि की विषय-वस्तु को 10 विशेष मॉड्यूल में संरचित किया गया है, जिसके माध्यम से छात्र कंपनी के निर्माण से लेकर सुरक्षा योजनाओं और संकट प्रबंधन के विकास तक व्यावसायिक वातावरण के मौलिक पहलुओं में तल्लीन हो सकेंगे। औद्योगिक संगठन प्रबंधन में इस पेशेवर स्नातकोत्तर उपाधि की विषय-वस्तु को 10 विशेष मॉड्यूल में संरचित किया गया है, जिसके माध्यम से छात्र कंपनी के निर्माण से लेकर सुरक्षा योजनाओं और संकट प्रबंधन के विकास तक व्यावसायिक वातावरण के मौलिक पहलुओं में तल्लीन हो सकेंगे।

कंपनियों और उत्पादक वातावरण के निर्माण के संबंध में सबसे अद्यतन सामग्री, आपके पास यह सब इस पेशेवर स्नातकोत्तर उपाधि में है"

मॉड्यूल 1. व्यावसायिक संगठन का परिचय

1.1. कंपनी और उसके घटक
- 1.1.1. एक कंपनी की अवधारणा
- 1.1.2. व्यावसायिक वस्तुओं के कार्य और वर्गीकरण
- 1.1.3. व्यापारिक समुदाय
- 1.1.4. कंपनियों के प्रकार

1.2. प्रणाली के रूप में कंपनी
- 1.2.1. प्रणाली की अवधारणाएँ
- 1.2.2. मॉडल
- 1.2.3. कंपनी उप-प्रणालियाँ
- 1.2.4. मूल्य उप-प्रणालियाँ

1.3. व्यावसायिक वातावरण
- 1.3.1. पर्यावरण और मूल्य
- 1.3.2. सामान्य पर्यावरण
- 1.3.3. विशिष्ट वातावरण
- 1.3.4. विश्लेषण उपकरण

1.4. प्रबंधकीय कार्य
- 1.4.1. बुनियादी अवधारणाएं
- 1.4.2. प्रबंधन क्या है?
- 1.4.3. निर्णय लेना।
- 1.4.4. नेतृत्व

1.5. कॉरपोर्टे योजनाए
- 1.5.1. कॉर्पोरेट योजना
- 1.5.2. योजना घटक
- 1.5.3. चरण
- 1.5.4. योजना उपकरण

1.6. व्यवसाय नियंत्रण
- 1.6.1. अवधारणा, प्रकार और शब्दावली
- 1.6.2. प्रबंधन नियंत्रण
- 1.6.3. गुणवत्ता नियंत्रण
- 1.6.4. संतुलित स्कोरकार्ड

1.7. व्यापार संगठन
- 1.7.1. बुनियादी अवधारणाएं
- 1.7.2. संगठनात्मक संरचना
- 1.7.3. सांस्कृतिक आयाम
- 1.7.4. संरचनात्मक मॉडल

1.8. मानव संसाधन प्रबंधन
- 1.8.1. प्रेरणा
- 1.8.2. भर्ती और चयन
- 1.8.3. कार्मिक प्रशिक्षण
- 1.8.4. खेल प्रदर्शन का आकलन

1.9. विपणन और वित्तीय घटक
- 1.9.1. अवधारणा और चरण
- 1.9.2. विपणन और बाजार
- 1.9.3. विपणन और रणनीति
- 1.9.4. रिश्ते और तालमेल

मॉड्यूल 2. उत्पादन, खरीद और गोदामों की प्रणालियाँ

2.1. उत्पादन की संरचना और प्रकार
- 2.1.1. उत्पादन प्रणालियाँ और रणनीतियाँ
- 2.1.2. इन्वेंटरी प्रबंधन प्रणाली
- 2.1.3. उत्पादन संकेतक

2.2. बिक्री संरचना, प्रकार और चैनल
- 2.2.1. बिक्री संरचना: संगठन, चैनल और क्षेत्र
- 2.2.2. बिक्री संरचना: कार्यालय और बिक्री समूह
- 2.2.3. बिक्री संरचना का निर्धारण

2.3. खरीद की संरचना और प्रकार
- 2.3.1. खरीद का कार्य
- 2.3.2. खरीदी प्रबंधन
- 2.3.3. खरीद निर्णय प्रक्रिया

2.4. उत्पादन संयंत्रों का डिज़ाइन
- 2.4.1. औद्योगिक वास्तुकला और संयंत्र लेआउट
- 2.4.2. संयंत्र लेआउट के मूल प्रकार
- 2.4.3. उपयुक्त संयंत्र वितरण के लिए विशेषताएँ

2.5. गोदाम डिजाइन
- 2.5.1. उन्नत गोदाम डिजाइन
- 2.5.2. संग्रह और छंटाई
- 2.5.3. विषय-वस्तु प्रवाह नियंत्रण

2.6. प्रक्रिया डिजाइन
- 2.6.1. प्रक्रिया डिजाइन की परिभाषा
- 2.6.2. प्रक्रिया डिजाइन की सिद्धांत
- 2.6.3. प्रक्रिया मॉडलिंग

2.7. संसाधन आवंटन
- 2.7.1. संसाधन आवंटन का परिचय
- 2.7.2. परियोजना प्रबंधन
- 2.7.3. संसाधन वितरण

2.8. औद्योगिक परिचालन नियंत्रण
- 2.8.1. प्रक्रिया नियंत्रण और इसकी विशेषताएं
- 2.8.2. औद्योगिक प्रक्रियाओं के उदाहरण
- 2.8.3. औद्योगिक नियंत्रण

2.9. गोदाम परिचालन नियंत्रण
- 2.9.1. गोदाम परिचालन
- 2.9.2. इन्वेंटरी नियंत्रण और स्थान प्रणालियाँ
- 2.9.3. भंडारण प्रबंधन तकनीकें

2.10. रखरखाव कार्य
- 2.10.1. औद्योगिक रखरखाव और टाइपोलॉजी
- 2.10.2. रखरखाव योजनाएँ
- 2.10.3. कंप्यूटर सहायता प्राप्त रखरखाव का प्रबंधन

मॉड्यूल 3. उत्पाद डिजाइन और नवाचार प्रबंधन

3.1. उत्पाद डिजाइन और विकास क्यूएफडी (गुणवत्ता फ़ंक्शन परिनियोजन)
- 3.1.1. ग्राहकों से लेकर तकनीकी आवश्यकताओं तक
- 3.1.2. गुणवत्ता का घर: कार्यान्वयन चरण
- 3.1.3. लाभ और सीमाएँ

3.2. डिजाइन को सोचना
- 3.2.1. डिज़ाइन, आवश्यकता, प्रौद्योगिकी और रणनीति
- 3.2.2. प्रक्रिया के चरण
- 3.2.3. प्रयुक्त उपकरण और तकनीकें

3.3. समवर्ती इंजीनियरिंग
- 3.3.1. समवर्ती इंजीनियरिंग मूल बातें
- 3.3.2. समवर्ती इंजीनियरिंग कार्यप्रणाली
- 3.3.3. उपकरणों का इस्तेमाल

3.4. कार्यक्रम: योजना और परिभाषा
- 3.4.1. आवश्यकताएं। गुणवत्ता प्रबंधन
- 3.4.2. विकासात्मक चरण समय प्रबंधन
- 3.4.3. सामग्री, व्यवहार्यता, प्रक्रियाएं: लागत प्रबंधन
- 3.4.4. प्रोजेक्ट टीम: मानव संसाधन प्रबंधन
- 3.4.5. जानकारी। शिकायतों का प्रबंधन
- 3.4.6. संकट विश्लेषण: जोखिम प्रबंधन

3.5. उत्पाद डिज़ाइन (सीएडी) और विकास
- 3.5.1. सूचना प्रबंधन पीएलएम: उत्पाद जीवन चक्र
- 3.5.2. उत्पाद विफलता के तरीके और प्रभाव
- 3.5.3. सीएडी निर्माण: समीक्षा
- 3.5.4. उत्पाद और विनिर्माण योजनाएँ
- 3.5.5. डिज़ाइन सत्यापन

3.6. प्रोटोटाइप। विकास
- 3.6.1. तीव्र प्रोटोटाइपिंग
- 3.6.2. नियंत्रण योजना
- 3.6.3. अनुभव डिज़ाइन
- 3.6.4. माप प्रणाली के प्रकार

3.7. उत्पादन प्रक्रिया: डिजाइन और विकास
- 3.7.1. प्रक्रिया: विफलता के तरीके और प्रभाव
- 3.7.2. विनिर्माण उपकरणों का डिज़ाइन और निर्माण
- 3.7.3. नियंत्रण उपकरण (गेज) का डिजाइन और निर्माण
- 3.7.4. समायोजन चरण
- 3.7.5. प्रोडक्शन स्टार्ट - अप
- 3.7.6. पैकेजिंग प्रक्रिया मूल्यांकन

3.8. उत्पाद और प्रक्रिया: मान्यकरण
- 3.8.1. मापन सिस्टम मूल्यांकन
- 3.8.2. सत्यापन परीक्षण
- 3.8.3. सांख्यिकीय प्रक्रिया नियंत्रण (एसपीसी)
- 3.8.4. उत्पाद प्रमाणन

3.9. परिवर्तन प्रबंधन: सुधार और सुधारात्मक उपाय
- 3.9.1. परिवर्तन का प्रकार
- 3.9.2. परिवर्तनशीलता विश्लेषण, सुधार
- 3.9.3. सीखे गए सबक और परीक्षित अभ्यास
- 3.9.4. परिवर्तन की प्रक्रिया

3.10. नवाचार और हस्तांतरण प्रौद्योगिकियां
- 3.10.1. बौद्धिक संपदा
- 3.10.2. नवाचार
- 3.10.3. स्थानांतरण प्रौद्योगिकियां

मॉड्यूल 4. गुणवत्ता प्रबंधन

4.1. समग्र गुणवत्ता
- 4.1.1. कुल गुणवत्ता प्रबंधन
- 4.1.2. बाहरी और आंतरिक ग्राहक
- 4.1.3. गुणवत्ता लागत
- 4.1.4. सतत सुधार और डेमिंग दर्शन

4.2. आईएसओ 9001:15 गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली
- 4.2.1. आईएसओ 9001:15 गुणवत्ता प्रबंधन 7 सिद्धांतों
- 4.2.2. पहूंच प्रक्रिया
- 4.2.3. आईएसओ 9001: 9001 आवश्यकताएँ
- 4.2.4. कार्यान्वयन चरण और सिफ़ारिशें
- 4.2.5. होशिन-कनरी - प्रकार के मॉडल में लक्ष्यों की तैनाती
- 4.2.6. लेखापरीक्षा प्रमाणन

4.3. एकीकृत प्रबंधन प्रणालियाँ
- 4.3.1. पर्यावरण प्रबंधन प्रणालियाँ: आईएसओ बिजनेस स्कूल 14000
- 4.3.2. व्यावसायिक जोखिम प्रबंधन प्रणाली: आईएसओ बिजनेस स्कूल 45001
- 4.3.3. प्रबंधन प्रणालियों को एकीकृत करना

4.4. प्रबंधन में उत्कृष्टता: ईएफक्यूएम मॉडल
- 4.4.1. ईएफक्यूएम मॉडल सिद्धांत और बुनियादी बातें
- 4.4.2. नया ईएफक्यूएम मॉडल मानदंड
- 4.4.3. ईएफक्यूएम डायग्नोस्टिक टूल: रेडर मैट्रिसेस

4.5. गुणवत्तापूर्ण उपकरण
- 4.5.1. बुनियादी उपकरण
- 4.5.2. सांख्यिकीय प्रक्रिया नियंत्रण (एसपीसी)
- 4.5.3. उत्पाद गुणवत्ता प्रबंधन के लिए नियंत्रण योजना और दिशानिर्देश

4.6. उन्नत उपकरण और समस्या निवारण उपकरण
- 4.6.1. एफएमईए
- 4.6.2. 8डी रिपोर्ट
- 4.6.3. पाँच क्यों
- 4.6.4. 5डब्लू + 2एच
- 4.6.5. बेंच मार्किंग

4.7. सतत सुधार पद्धति I: पीडीसीए
- 4.7.1. पीडीसीए चक्र और चरण
- 4.7.2. लीन विनिर्माण विकास के लिए पीडीसीए चक्र लागू करना
- 4.7.3. पीडीसीए परियोजनाओं में सफलता की कुंजी

4.8. सतत सुधार पद्धति II: सिक्स सिग्मा
- 4.8.1. सिक्स सिग्मा विवरण
- 4.8.2. सिक्स सिग्मा सिद्धांत
- 4.8.3. सिक्स सिग्मा परियोजना चयन
- 4.8.4. सिक्स सिग्मा परियोजना चरण: डीएमएआईसी पद्धति
- 4.8.5. सिक्स सिग्मा भूमिकाएँ
- 4.8.6. सिक्ससिग्मा और लीन विनिर्माण

4.9. गुणवत्ता आपूर्तिकर्ता: लेखापरीक्षा ट्रेल्स और प्रयोगशाला
- 4.9.1. स्वागत गुणवत्ता: सहमत गुणवत्ता
- 4.9.2. आंतरिक लेखापरीक्षा प्रबंधन प्रणाली
- 4.9.3. उत्पाद और प्रक्रिया लेखापरीक्षा
- 4.9.4. लेखापरीक्षण करने के चरण
- 4.9.5. लेखापरीक्षक प्रोफ़ाइल
- 4.9.6. परीक्षण, प्रयोगशाला और माप-विज्ञान

4.10. गुणवत्ता प्रबंधन में संगठन के पहलू
- 4.10.1. गुणवत्ता प्रबंधन में प्रशासन की भूमिका
- 4.10.2. गुणवत्ता क्षेत्र संगठन और अन्य क्षेत्रों के साथ संबंध
- 4.10.3. गुणात्मक वृत्त

मॉड्यूल 5. उत्पादन योजना एवं नियंत्रण

5.1. विनिर्माण योजना चरण
- 5.1.1. उन्नत योजना
- 5.1.2. विनिर्माण योजना चरणबिक्री अनुमान और विधियाँ
- 5.1.3. टैक्ट टाइम की परिभाषा
- 5.1.4. विषय-वस्तु योजना: एमआरपीन्यूनतम स्टॉक
- 5.1.5. स्टाफ योजना
- 5.1.6. उपकरण की आवश्यकता

5.2. उत्पादन योजना
- 5.2.1. विचार करने योग्य कारक
- 5.2.2. पुश योजना
- 5.2.3. पुल योजना
- 5.2.4. मिश्रित प्रणाली

5.3. कानबन
- 5.3.1. कानबन के प्रकार
- 5.3.2. कानबन का उपयोग
- 5.3.3. स्वायत्त योजना: 2 - बिन कानबन

5.4. प्रोडक्शन नियंत्रण
- 5.4.1. उत्पादन योजना भिन्नताएं और रिपोर्टिंग
- 5.4.2. उत्पादन निष्पादन निगरानी: समग्र उपकरण प्रभावशीलता (ओईई)
- 5.4.3. कुल क्षमता निगरानी: कुल प्रभावी उपकरण प्रदर्शन (टीईईपी)

5.5. उत्पादन संगठन
- 5.5.1. प्रोडक्शन टीम
- 5.5.2. प्रक्रिया अभियंता
- 5.5.3. रखरखाव
- 5.5.4. विषय-वस्तु नियंत्रण

5.6. कुल उत्पादक रखरखाव (टीपीएम)
- 5.6.1. सुधारात्मक रखरखाव
- 5.6.2. स्वायत्त रखरखाव
- 5.6.3. निरोधक प्रतिपालन
- 5.6.4. प्रागात्कि रख - रखाव
- 5.6.5. रखरखाव दक्षता संकेतक एमटीबीएफ-एमटीटीआर

5.7. संयंत्र लेआउट
- 5.7.1. कंडीशनिंग कारक
- 5.7.2. इन-लाइन उत्पादन
- 5.7.3. कार्य सेल उत्पादन
- 5.7.4. अनुप्रयोग
- 5.7.5. एसएलपी प्रणाली

5.8. जस्ट इन टाइम (जेआईटी)
- 5.8.1. जेआईटी विवरण और उत्पत्ति
- 5.8.2. उद्देश्य
- 5.8.3. जेआईटी लागू करना: उत्पाद अनुक्रमण

5.9. बाधाओं का सिद्धांत (टीओसी)
- 5.9.1. मौलिक सिद्धांत
- 5.9.2. टीओसी और कार्यान्वयन में पाँच चरण
- 5.9.3. फायदे और नुकसान

5.10. त्वरित प्रतिक्रिया विनिर्माण (क्यूआरएम)
- 5.10.1. विवरण
- 5.10.2. प्रमुख संरचना बिंदु
- 5.10.3. क्यूआरएम कार्यान्वयन

मॉड्यूल 6. व्यवसाय निर्माण

6.1. उद्यमिता की भावना
- 6.1.1. उद्यमी
- 6.1.2. उद्यमी विशेषताएँ
- 6.1.3. उद्यमियों के प्रकार

6.2. उद्यमिता और टीम वर्क
- 6.2.1. टीमवर्क
- 6.2.2. टीम वर्क के लक्षण
- 6.2.3. टीम वर्क के फायदे और नुकसान

6.3. एक कंपनी का निर्माण
- 6.3.1. एक उद्यमी होने के नाते
- 6.3.2. कंपनी की अवधारणा और प्रतिदर्श
- 6.3.3. व्यवसाय निर्माण प्रक्रिया के चरण

6.4. किसी कंपनी के बुनियादी घटक
- 6.4.1. अलग अलग दृष्टिकोण
- 6.4.2. एक कंपनी के 8 घटक
    - 6.4.2.1. ग्राहक:
    - 6.4.2.2. वातावरण
    - 6.4.2.3. तकनीकी
    - 6.4.2.4. भौतिक संसाधन

6.4.2.5. मानव संसाधन
6.4.2.6. फाइनेंसिंग
6.4.2.7. एंटरप्राइज़ नेटवर्क
6.4.2.8. अवसर

6.5. मूल्य प्रस्ताव
- 6.5.1. मूल्य प्रस्ताव
- 6.5.2. विचार सृजन
- 6.5.3. मूल्य प्रस्तावों के लिए सामान्य सिफ़ारिशें

6.6. उद्यमियों के लिए सहायता उपकरण
- 6.6.1. लीन शुरुआत
- 6.6.2. डिजाइन को सोचना
- 6.6.3. मुक्त नवोन्मेष

6.7. लीन स्टार्ट-अप
- 6.7.1. लीन शुरुआत
- 6.7.2. लीन स्टार्ट-अप प्रणाली
- 6.7.3. स्टार्ट-अप जिन चरणों से गुजरता है

6.8. व्यावसायिक दृष्टिकोण अनुक्रम
- 6.8.1. परिकल्पनाओं को मान्य करना
- 6.8.2. एमवीपी: न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद
- 6.8.3. उपाय: लीन एनालिटिक्स
- 6.8.4. धुरी या दृढ़ रहना

6.9. नई खोज करना
- 6.9.1. नवाचार
- 6.9.2. नवप्रवर्तन, रचनात्मकता और विकास की क्षमता
- 6.9.3. नवप्रवर्तन चक्र

6.10. रचनात्मकता
- 6.10.1. एक कौशल के रूप में रचनात्मकता
- 6.10.2. रचनात्मकता प्रक्रिया
- 6.10.3. रचनात्मकता के प्रकार

मॉड्यूल 7. लॉजिस्टिक्स और वितरण प्रबंधन

7.1. लॉजिस्टिक्स सिस्टम का परिचय
- 7.1.1. लॉजिस्टिक्स सिस्टम का परिचय
- 7.1.2. लोजिस्टिक्स प्रणालियों का डिज़ाइन
- 7.1.3. लोजिस्टिक्स सूचना प्रणाली

7.2. आपूर्ति श्रृंखला (एससीएम) का प्रकार विज्ञान
- 7.2.1. आपूर्ति श्रृंखला
- 7.2.2. आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के लाभ
- 7.2.3. आपूर्ति श्रृंखला में लॉजिस्टिक प्रबंधन

7.3. आंतरिक लॉजिस्टिक
- 7.3.1. आवश्यकताओं की गणना
- 7.3.2. जेआईटी सिस्टम में वेयरहाउस टाइपोलॉजी
- 7.3.3. तुल्यकालिक उत्पादन विनिर्माण आपूर्ति
- 7.3.4. समायोजित विषय-वस्तु हेरफेर

7.4. वितरण और परिवहन
- 7.4.1. वितरण और परिवहन के कार्य
- 7.4.2. वितरण नेटवर्क के प्रकार
- 7.4.3. वितरण नेटवर्क का डिजाइन

7.5. लॉजिस्टिकल ऑपरेशन नियंत्रण
- 7.5.1. लॉजिस्टिकल सिस्टम
- 7.5.2. लॉजिस्टिकल ऑपरेशन नियंत्रण के लाभ
- 7.5.3. लॉजिस्टिकल ऑपरेशन डैशबोर्ड

7.6. आपूर्ति श्रृंखला और अन्य सभी विभागों के बीच बातचीत
- 7.6.1. बातचीत में विचारणीय क्षेत्र
- 7.6.2. आपूर्ति श्रृंखला अंतर्संबंध (एससीएम)
- 7.6.3. आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन (एससीएम) एकीकरण मुद्दे

7.7. लॉजिस्टिक लागत
- 7.7.1. प्रत्येक क्षेत्र के अनुसार विचारणीय लागत
- 7.7.2. लॉजिस्टिक लागत की समस्याएँ
- 7.7.3. लॉजिस्टिक लागत का अनुकूलन

7.8. जानकारी के सिस्टम
- 7.8.1. आधार प्रणालियों का मानचित्र
- 7.8.2. सूचना प्रणालियों की टाइपोलॉजी
- 7.8.3. आपूर्ति श्रृंखला में सूचना प्रणालियाँ

मॉड्यूल 8. कंपनी परियोजना प्रबंधन

8.1. परियोजना
- 8.1.1. मौलिक परियोजना घटक
- 8.1.2. परियोजना निदेशक
- 8.1.3. परियोजना पर्यावरण

8.2. परियोजना दायरा प्रबंधन
- 8.2.1. दायरा विश्लेषण
- 8.2.2. परियोजना क्षेत्र योजना
- 8.2.3. परियोजना क्षेत्र नियंत्रण

8.3. अनुसूची प्रबंधन
- 8.3.1. योजना का महत्व
- 8.3.2. परियोजना योजना प्रबंधन: परियोजना सूचीपत्र
- 8.3.3. समय प्रबंधन में रुझान

8.4. लागत प्रबंधन
- 8.4.1. परियोजना लागत विश्लेषण
- 8.4.2. वित्तीय परियोजना चयन
- 8.4.3. परियोजना लागत योजना
- 8.4.4. परियोजना लागत नियंत्रण

8.5. गुणवत्ता, संसाधन और खरीद
- 8.5.1. कुल गुणवत्ता और परियोजना दिशा
- 8.5.2. परियोजना संसाधन
- 8.5.3. अधिग्रहण। भर्ती प्रणाली

8.6. परियोजना हितधारक और संचार
- 8.6.1. हितधारकों का महत्व
- 8.6.2. परियोजना हितधारक प्रबंधन
- 8.6.3. परियोजना संचार

8.7. परियोजना जोखिम प्रबंधन
- 8.7.1. जोखिम प्रबंधन में मौलिक सिद्धांत
- 8.7.2. परियोजना जोखिम प्रबंधन के लिए प्रक्रिया प्रबंधन
- 8.7.3. जोखिम प्रबंधन में रुझान

8.8. एकीकृत परियोजना प्रबंधन
- 8.8.1. रणनीतिक योजना और परियोजना प्रबंधन
- 8.8.2. परियोजना दिशा योजना
- 8.8.3. कार्यान्वयन और नियंत्रण प्रक्रियाएं
- 8.8.4. बंद करने की परियोजना

8.9. एजाइल कार्यप्रणाली I: स्क्रम
- 8.9.1. एजाइल और स्क्रम में सिद्धांत
- 8.9.2. स्क्रम टीम
- 8.9.3. स्क्रम इवेंट्स
- 8.9.4. स्क्रम कलाकृतियाँ

8.10. एजाइल कार्यप्रणाली II: कानबन
- 8.10.1. कैनबैन सिद्धांत
- 8.10.2. कैनबैन और स्क्रम्बन
- 8.10.3. उपाधि

मॉड्यूल 9. व्यावसायिक और औद्योगिक सुरक्षा

9.1. कार्य और स्वास्थ्य: व्यावसायिक खतरे जोखिम कारक
- 9.1.1. निवारण प्रबंधन
- 9.1.2. काम
- 9.1.3. पेशेवर स्वास्थ्य
- 9.1.4. काम में निहित जोखिम कारक
- 9.1.5. निवारण प्रबंधन पर कार्य स्थितियों का प्रभाव
- 9.1.6. निवारण तकनीक और संरक्षण तकनीक
- 9.1.7. व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण: प्रत्येक व्यावसायिक गतिविधि के लिए कार्य, उपयोगिता और चयन

9.2. कार्य से उत्पन्न क्षति: व्यावसायिक दुर्घटनाएँ और व्यावसायिक बीमारियाँ
- 9.2.1. स्वास्थ्य हानि: व्यावसायिक दुर्घटनाएँ और पेशेवर बीमारियाँ
- 9.2.2. व्यावसायिक दुर्घटनाओं के प्रकार
- 9.2.3. दुर्घटना/घटना अनुपात नियम
- 9.2.4. व्यावसायिक दुर्घटनाओं के नतीजों
- 9.2.5. व्यावसायिक रोग: उनका समान रूप से और स्थायी रूप से सामना कैसे किया जाए

9.3. व्यावसायिक जोखिम निवारण के लिए बुनियादी विधायी और विनियामक ढांचा
- 9.3.1. निवारक मामलों में विधायी ढांचे का ऐतिहासिक विकास
- 9.3.2. अंतरराष्ट्रीय कानून और विनियमः यूरोपीय संघ के नियम
- 9.3.3. राष्ट्रीय नियम
- 9.3.4. विशिष्ट विनियम:
- 9.3.5. व्यावसायिक खतरों की निवारण से उत्पन्न व्यवसाय और दायित्व
- 9.3.6. जिम्मेदारियाँ और प्रतिबंध: श्रमिकों के अधिकार और जिम्मेदारियाँ
- 9.3.7. निवारण प्रतिनिधि
- 9.3.8. सुरक्षा एवं स्वास्थ्य समिति

9.4. व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य से संबंधित सार्वजनिक निकाय
- 9.4.1. सार्वजनिक एजेंसियाँ
- 9.4.2. यूरोपीय एजेंसियाँ
- 9.4.3. राष्ट्रीय एजेंसियां

9.5. पीआरएल प्रबंधन प्रणालियाँ: कानून मॉडल 31/1995
 9.5.1. ओआरपी कानून के अनुसार निवारण प्रबंधन
 9.5.2. निवारण योजनाएँ
 9.5.3. जोखिम मूल्यांकन
 9.5.4. जोखिम नियोजन या निवारक गतिविधियों की योजना
 9.5.5. स्वास्थ्य की निगरानी
 9.5.6. सूचना एवं प्रशिक्षण
 9.5.7. आपात्काल उपाय
 9.5.8. वार्षिक वित्तीय विवरण तैयार करना
 9.5.9. वर्तमान कानून के आधार पर श्रम गतिविधि ऑडिट
9.6. जोखिम निवारण दस्तावेज़: संग्रह, तैयारी और अभिलेखीकरण
 9.6.1. प्राप्त जानकारी का प्रसंस्करण
 9.6.2. एकत्रित जानकारी के आधार पर कार्रवाई
9.7. व्यावसायिक जोखिमों की निवारण के लिए परिचालन प्रबंधन
 9.7.1. परिचालन जोखिम योजना और प्रबंधन
 9.7.2. निवारण प्रक्रियाओं का कार्यान्वयन
 9.7.3. प्रक्रियाओं का नियंत्रण एवं समायोजन
 9.7.4. निवारण प्रणाली ऑडिट
 9.7.5. व्यावसायिक दुर्घटनाओं के लागत: आकस्मिकता, लाभ और विकलांगता
9.8. सुरक्षा और स्वच्छता की स्थिति से जुड़े जोखिम: इन्हें कैसे कम करें
 9.8.1. ख़राब रोशनी
 9.8.2. दूषित पदार्थ एक्सपोजर
 9.8.3. शोर एक्सपोजर
9.9. कार्यस्थल के वातावरण से जुड़े जोखिम: इन्हें कैसे कम करें
 9.9.1. आयनित विकिरण
 9.9.2. विद्युत और चुंबकीय क्षेत्र
 9.9.3. ऑप्टिकल विकिरण
9.10. कार्य पर लागू मनो-समाजशास्त्र से जुड़े जोखिम: इन्हें कैसे कम करें
 9.10.1. कार्य विषय-वस्तु, भार, गति और समय
 9.10.2. कार्य गतिविधि भागीदारी और नियंत्रण
 9.10.3. संगठनात्मक संस्कृति: जोखिम प्रबंधन और रोकथाम पर प्रभाव

मॉड्यूल 10. संगठनों में संकट प्रबंधन

10.1. संगठनात्मक डिज़ाइन
 10.1.1. संगठनात्मक डिजाइन के अवधारणा
 10.1.2. संगठनात्मक संरचनाएं
 10.1.3. संगठनात्मक डिजाइन के प्रकार
10.2. संगठनात्मक संरचना
 10.2.1. मुख्य समन्वय तंत्र
 10.2.2. विभाग और संगठन चार्ट
 10.2.3. अधिकार और उत्तरदायित्व
 10.2.4. सशक्तिकरण
10.3. कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी
 10.3.1. सामाजिक वचनबद्धता
 10.3.2. सतत संगठन
 10.3.3. संगठनों में नैतिकता
10.4. संगठनों में सामाजिक उत्तरदायित्व
 10.4.1. संगठनों में आरएससी प्रबंधन
 10.4.2. कर्मचारियों पर लागू आरएससी
 10.4.3. सतत कार्रवाई
10.5. प्रतिष्ठा प्रबंधन
 10.5.1. कॉर्पोरेट प्रतिष्ठा प्रबंधन
 10.5.2. ब्रांड प्रतिष्ठा पर ध्यान दें
 10.5.3. नेतृत्व प्रतिष्ठा प्रबंधन
10.6. प्रतिष्ठा जोखिम और संकट प्रबंधन
 10.6.1. फीडबैक सुनना और प्रबंधित करना
 10.6.2. प्रक्रियाएं, संकट मैनुअल और आकस्मिक योजनाएं
 10.6.3. आपातकालीन स्थितियों में प्रवक्ता प्रशिक्षण
10.7. संगठनों में टकराव
 10.7.1. पारस्परिक संघर्ष
 10.7.2. संघर्ष की स्थितियाँ
 10.7.3. संघर्ष के परिणाम

10.8. लॉबी और दबाव समूह
- 10.8.1. व्यवसायों और संस्थानों में राय समूह और उनके कार्य
- 10.8.2. संस्थागत संबंध और पक्ष जुटाव
- 10.8.3. हस्तक्षेप के क्षेत्र, नियामक उपकरण, प्रसार रणनीतियाँ और मीडिया

10.9. संधिवार्ता
- 10.9.1. अंतरसांस्कृतिक बातचीत
- 10.9.2. बातचीत फोकस
- 10.9.3. प्रभावी बातचीत तकनीक
- 10.9.4. पुनर्गठन।

10.10. कॉर्पोरेट ब्रांड रणनीति
- 10.10.1. सार्वजनिक छवि और हितधारक
- 10.10.2. कॉर्पोरेट ब्रांडिंग रणनीति और प्रबंधन
- 10.10.3. ब्रांड पहचान के अनुरूप कॉर्पोरेट संचार रणनीति

“आप उद्यमियों को अद्वितीय मूल्य प्रस्ताव उत्पन्न करने में मदद करने के लिए सबसे उपयोगी उपकरणों के बारे में जानेंगे। इस अवसर को मत गँवाओ। अब समय आ गया है”

05

प्रणाली

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सीखने का एक अलग तरीका प्रदान करता है। हमारी कार्यप्रणाली एक चक्रीय सीखने के तरीके के माध्यम से विकसित की गई है: **रीलर्निंग**।

उदाहरण के लिए, इस शिक्षण प्रणाली का उपयोग दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित मेडिकल स्कूलों में किया जाता है और इसे न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ़ मेडिसिन जैसे अत्यधिक प्रासंगिक प्रकाशनों द्वारा सबसे प्रभावी माना जाता है।

“रीलर्निंग को जानें, एक प्रणाली जो आपको पारंपरिक रैखिक शिक्षा को छोड़ कर चक्रीय शिक्षण प्रणाली के माध्यम से आगे बढ़ती है: सीखने का एक तरीका जो अत्यधिक प्रभावी साबित हुआ है, विशेष रूप से उन विषयों में जिन्हें याद करने की आवश्यकता होती है”

सभी सामग्री को प्रासंगिक बनाने के लिए केस स्टडी

हमारा कार्यक्रम कौशल और ज्ञान विकसित करने का एक क्रांतिकारी तरीका प्रदान करता है। हमारा लक्ष्य बदलते, प्रतिस्पर्धी और अत्यधिक मांग वाले संदर्भ में कौशल को मजबूत करना है।

> TECH के साथ आप सीखने के ऐसे तरीके का अनुभव करने में सक्षम होंगे जो दुनिया भर के पारंपरिक विश्वविद्यालयों की नींव हिला रहा है”

आप पूरे पाठ्यक्रम में एक स्वाभाविक और प्रगतिशील शिक्षण के साथ, दोहराव पर आधारित एक सीखने की प्रणाली तक पहुँच प्राप्त करेंगे।

छात्र सहयोगी गतिविधियों और वास्तविक मामलों, वास्तविक व्यावसायिक वातावरण में जटिल परिस्थितियों का समाधान के माध्यम से सीखेंगे।

एक अभिनव और अलग शिक्षण पद्धति

यह TECH कार्यक्रम एक गहन शिक्षा है, जिसे बिल्कुल शुरुआत से बनाया गया है, जो इस क्षेत्र में राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे अधिक मांग वाली चुनौतियों और निर्णयों को प्रस्तुत करता है। इस पद्धति के माध्यम से, सफलता प्राप्त करने के लिए एक निर्णायक कदम उठाते हुए, व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास को बढ़ावा दिया जाता है। केस पद्धति, एक तकनीक जो इस सामग्री की नींव रखती है, गारंटी देती है कि सबसे वर्तमान आर्थिक, सामाजिक और व्यावसायिक वास्तविकता का पालन किया जाता है।

> “हमारा कार्यक्रम आपको अनिश्चित वातावरण में नई चुनौतियों का सामना करने और अपने करियर में सफलता प्राप्त करने के लिए तैयार करता है”

केस विधि दुनिया में सबसे अच्छे संकायों द्वारा सबसे अधिक उपयोग की जाने वाली शिक्षण प्रणाली रही है। 1912 में विकसित की गयी केस पद्धति में छात्रों को वास्तविक जटिल स्थितियों के साथ प्रस्तुत करना शामिल था ताकि कानून के छात्र न केवल सैद्धांतिक सामग्री के आधार पर कानूनों को सीखें, बल्कि वे निर्णय ले सकें और उन्हें हल करने के तरीके पर आदर्श निर्णय ले सकें। 1924 में इसे हार्वर्ड में शिक्षण की मानक पद्धति के रूप में स्थापित किया गया।

एक निश्चित स्थिति में, एक पेशेवर को क्या करना चाहिए? यह वह प्रश्न है जिसका सामना हम केस मेथड में करते हैं, एक कार्य उन्मुख सीखने की पद्धति। कार्यक्रम के दौरान, छात्रों को कई वास्तविक मामलों का सामना करना पड़ेगा। उन्हें अपने सभी ज्ञान को एकीकृत करना , जांच करनी होगी, बहस करनी होगा और अपने विचारों और निर्णयों का बचाव करना होगा।

रीलर्निंग प्रणाली

TECH प्रभावी रूप से दोहराव पर आधारित 100% ऑनलाइन शिक्षण प्रणाली के साथ केस स्टडी पद्धति को जोड़ती है, जो प्रत्येक पाठ में 8 अलग-अलग शिक्षात्मक तत्वों को जोड़ती है।

हम 100% ऑनलाइन शिक्षण पद्धति के साथ एक सर्वश्रेष्ठ केस स्टडी को बढ़ावा देते हैं: री लर्निंग।

> 2019 में हमने दुनिया के सभी ऑनलाइन स्पेनिश विश्वविद्यालयों में सीखने के सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त किए।

TECH में आप भविष्य के प्रबंधकों को प्रशिक्षित करने के लिए डिज़ाइन की गई एक अग्रगामी पद्धति से सीखते हैं। विश्व शिक्षाशास्त्र में सबसे आगे इस पद्धति को रीलर्निंग कहा जाता है।

हमारा विश्वविद्यालय इस सफल पद्धति का उपयोग करने के लिए लाइसेंस प्राप्त एकमात्र स्पेनिश-भाषी विश्वविद्यालय है। 2019 में, हम स्पेनी भाषा में सर्वश्रेष्ठ ऑनलाइन विश्वविद्यालय के संकेतकों के संबंध में अपने छात्रों के समग्र संतुष्टि स्तर (शिक्षण गुणवत्ता, सामग्री की गुणवत्ता, पाठ्यक्रम संरचना, उद्देश्यों...) में सुधार करने में कामयाब रहे।

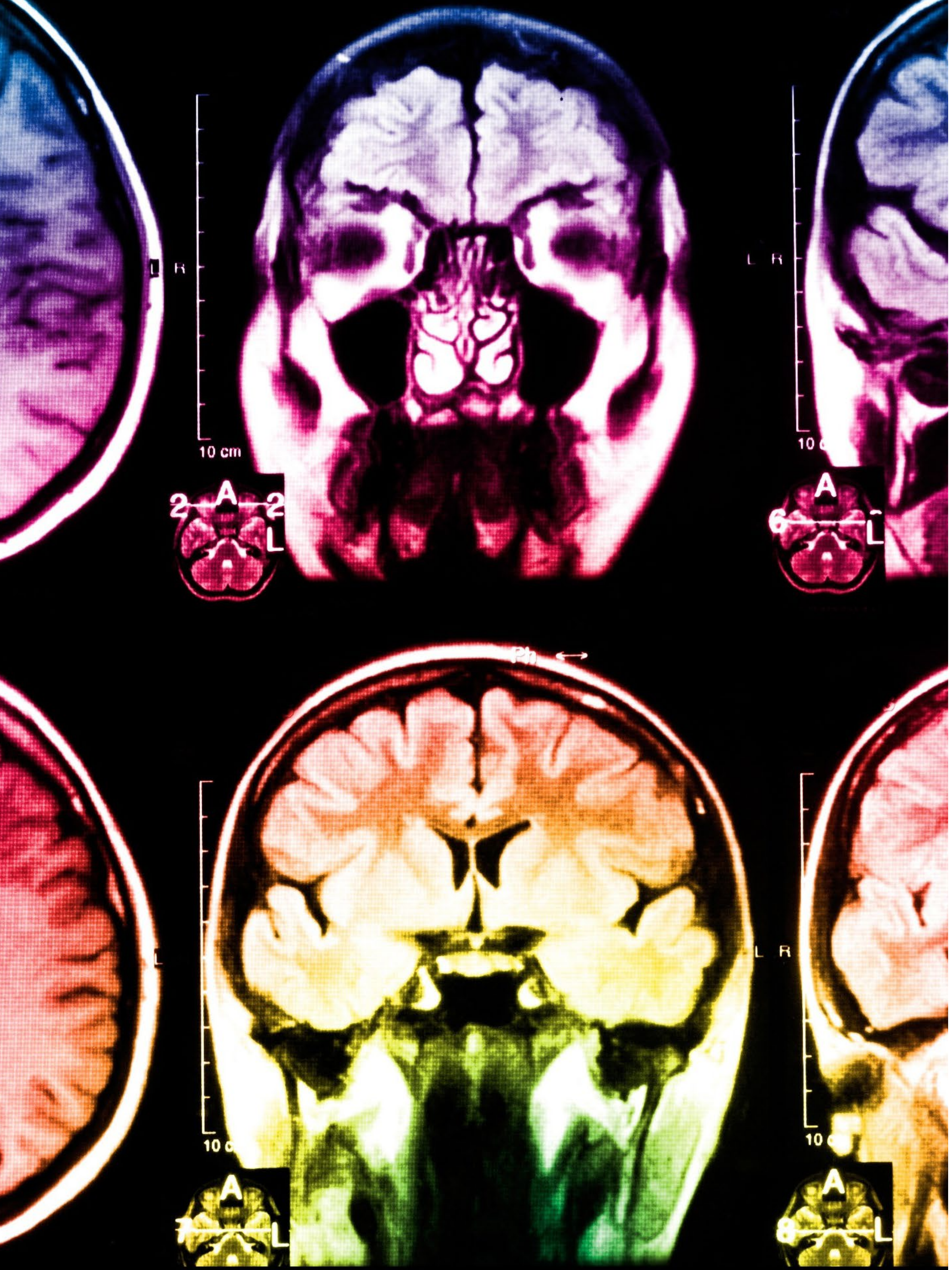

हमारे कार्यक्रम में, सीखना एक रैखिक प्रक्रिया नहीं है, लेकिन यह एक सर्पिल (सीखना, भूलना, भूलना और फिर से सीखना) प्रक्रिया में होता है। इसलिए, इनमें से प्रत्येक तत्व को सकेन्द्री रूप से संयोजित किया जाता है। इस पद्धति के साथ 650,000 से अधिक विश्वविद्यालय के स्नातकों को जैव रसायन, आनुवंशिकी, सर्जरी, अंतरराष्ट्रीय कानून, प्रबंधन कौशल, खेल विज्ञान, दर्शन, कानून, इंजीनियरिंग, पत्रकारिता, इतिहास या बाजार और वित्तीय साधनों जैसे विविध क्षेत्रों में अभूतपूर्व सफलता के साथ प्रशिक्षित किया गया है। यह सब अत्यधिक मांग वाले माहौल में, उच्च सामाजिक आर्थिक प्रोफ़ाइल वाले विश्वविद्यालय के छात्रों और 43.5 वर्ष की औसत आयु के साथ।

रीलर्निंग आपको कम प्रयास और अधिक प्रदर्शन के साथ सीखने, अपने प्रशिक्षण में अधिक शामिल होने, एक महत्वपूर्ण भावना विकसित करने, बचाव तर्क और विपरीत राय रखने में मदद करेगा: सफलता के लिए एक सीधा समीकरण।

न्यूरोसाइंस के क्षेत्र में नवीनतम वैज्ञानिक प्रमाणों के आधार पर, हम न केवल सूचनाओं, विचारों, छवियों और यादों को व्यवस्थित करना जानते हैं, बल्कि हम यह भी जानते हैं कि जिस स्थान और संदर्भ में हमने कुछ सीखा है, वह हमारे लिए याद रखने में सक्षम होने के लिए और इसे हिप्पोकैम्पस में संग्रहीत करने के लिए आवश्यक है ताकि इसे हमारी दीर्घकालिक स्मृति में बनाए रखा जा सके।

इस तरह, और जिसे न्यूरोकॉग्निटिव संदर्भ-निर्भर ई-लर्निंग कहा जाता है, हमारे कार्यक्रम के विभिन्न तत्व उस संदर्भ से जुड़े होते हैं जहां प्रतिभागी अपने पेशेवर अभ्यास को विकसित करता है।

यह कार्यक्रम पेशेवरों के लिए सावधानीपूर्वक तैयार की गई सर्वोत्तम शैक्षिक सामग्री प्रदान करता है:

अध्ययन सामग्री

सभी शिक्षण सामग्री उन विशेषज्ञों द्वारा बनाई गई हैं जो पाठ्यक्रम को पढ़ाने जा रहे हैं, विशेष रूप से उनके लिए, ताकि शैक्षिक विकास वास्तव में विशिष्ट और ठोस हो।

TECH की ऑनलाइन कार्य पद्धति बनाने के लिए इन सामग्रियों को तब दृश्य-श्रव्य प्रारूप में लागू किया जाता है। यह सब, सबसे नवीन तकनीकों के साथ जो छात्र को उपलब्ध कराई गई प्रत्येक सामग्री में उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री प्रदान करते हैं।

मास्टर क्लास

तीसरे-पक्ष विशेषज्ञ अवलोकन की उपयोगिता पर वैज्ञानिक प्रमाण हैं।

तथाकथित लर्निंग फ्रॉम एक्सपर्ट ज्ञान और स्मृति को पुष्ट करता है, और भविष्य के कठिन निर्णयों में विश्वास पैदा करता है।

कौशल और दक्षता अभ्यास

वे प्रत्येक विषयगत क्षेत्र में विशिष्ट कौशल और क्षमताओं को विकसित करने के लिए गतिविधियाँ करेंगे। हम जिस वैश्वीकरण में रहते हैं, उसके ढांचे के भीतर एक विशेषज्ञ को विकसित करने के लिए आवश्यक कौशल और क्षमताओं को प्राप्त करने और विकसित करने के लिए अभ्यास और गतिशीलता।

अग्रिम पठन

हाल के लेख, आम सहमति दस्तावेज़ और अंतर्राष्ट्रीय दिशानिर्देश, और अन्य। टेक वर्चुअल लाइब्रेरी में, छात्रों को अपना प्रशिक्षण पूरा करने के लिए आवश्यक सभी चीजों तक पहुंच प्राप्त होगी।

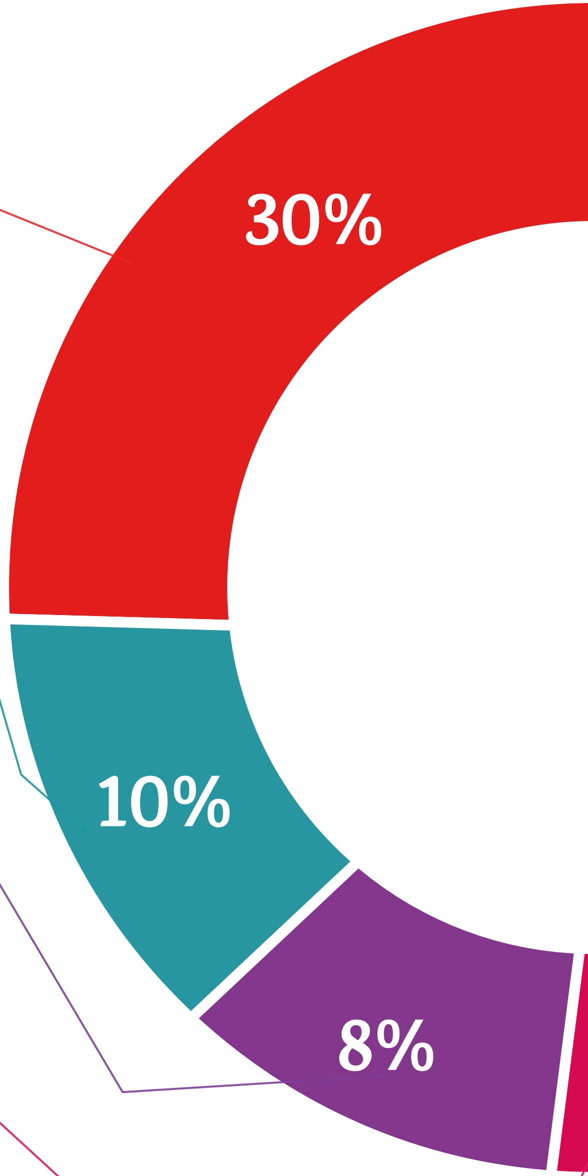

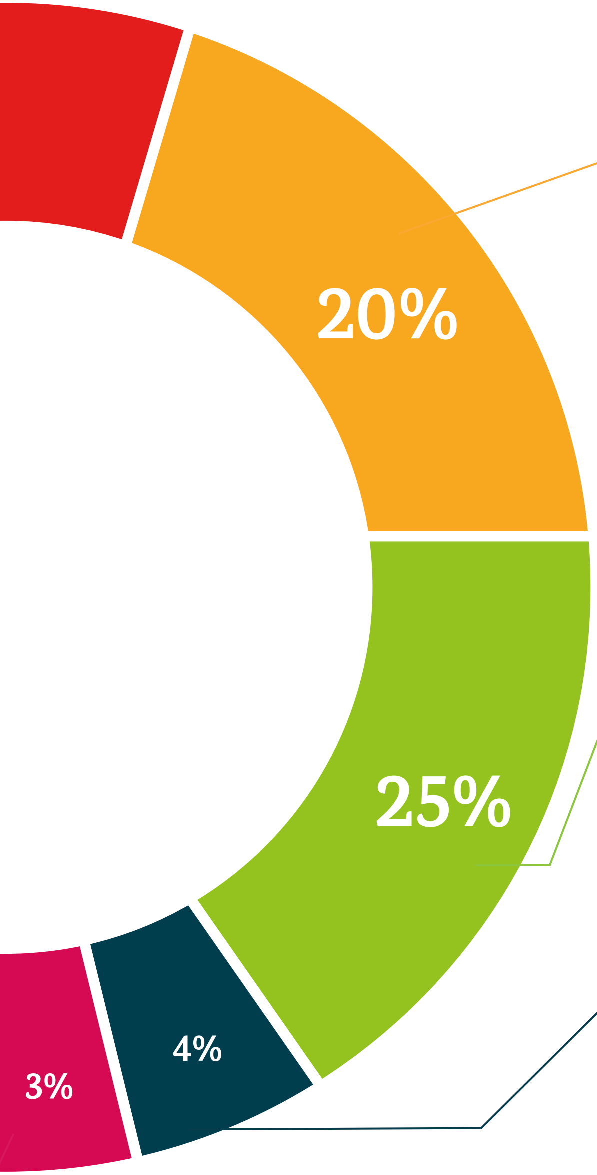

केस स्टडी

वे इस स्थिति के लिए स्पष्ट रुप से चुने गए सर्वोत्तम केस स्टडी का चयन पूरा करेंगे। अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य पर सर्वश्रेष्ठ विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत, विश्लेषण और पर्यवेक्षण के मामले।

इंटरैक्टिव सारांश

टेक टीम सामग्री को मल्टीमीडिया टुकड़ों में आकर्षक और गतिशील तरीके से प्रस्तुत करती है जिसमें ज्ञान को समेकित करने के लिए ऑडियो, वीडियो, छवियां, आरेख और अवधारणा मानचित्र शामिल होते हैं।

मल्टीमीडिया सामग्री की प्रस्तुति के लिए इस विशेष शैक्षिक प्रणाली को माइक्रोसॉफ्ट द्वारा "यूरोप में सफलता की कहानी" के रूप में सम्मानित किया गया था।

परीक्षण और पुनर्परीक्षण

छात्र के ज्ञान का मूल्यांकन और आत्म-मूल्यांकन गतिविधियों और अभ्यासों के माध्यम से पूरे कार्यक्रम में समय-समय पर मूल्यांकन और पुनर्मूल्यांकन किया जाता है ताकि छात्र यह सत्यापित कर सके कि वह अपने लक्ष्यों को कैसे प्राप्त कर रहा है।

06

उपाधि

औद्योगिक संगठन प्रबंधन में स्नातकोत्तर उपाधि, सबसे परिशुद्ध और अद्यतित प्रशिक्षण के अलावा, TECH Global University द्वारा जारी स्नातकोत्तर उपाधि में प्रवेश की गारंटी देता है।

"इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करें और यात्रा या श्रमसाध्य कागजी कार्रवाई के बिना अपना विश्वविद्यालय सर्टिफिकेट प्राप्त करें"

यह निजी योग्यत कार्यक्रम आपको दुनिया के सबसे बड़े ऑनलाइन विश्वविद्यालय, TECH Global University द्वारा समर्थित **औद्योगिक संगठन प्रबंधन में स्नातकोत्तर उपाधि** डिप्लोमा प्राप्त करने की अनुमति देगा।

TECH Global University एक आधिकारिक यूरोपीय विश्वविद्यालय है जिसे अंडोरा सरकार (आधिकारिक बुलेटिन) द्वारा सार्वजनिक रूप से मान्यता प्राप्त है। अंडोरा 2003 से यूरोपीय उच्च शिक्षा क्षेत्र (ईएचईए) का हिस्सा है। ईएचईए यूरोपीय संघ द्वारा प्रवर्तित एक पहल है जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण ढांचे को व्यवस्थित करना और इस क्षेत्र के सदस्य देशों की उच्च शिक्षा प्रणालियों में सामंजस्य स्थापित करना है। यह परियोजना छात्रों, शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों के बीच सहयोग और गतिशीलता बढ़ाने के लिए सामान्य मूल्यों, सहयोगी उपकरणों के कार्यान्वयन और इसके गुणवत्ता आश्वासन तंत्र को मजबूत करने को बढ़ावा देती है।

यह TECH Global University निजी योग्यता सतत शिक्षा और पेशेवर अद्यतनीकरण का एक यूरोपीय कार्यक्रम है जो ज्ञान के अपने क्षेत्र में दक्षताओं के अधिग्रहण की गारंटी देता है, जो कार्यक्रम पूरा करने वाले छात्र को उच्च पाठ्यचर्या मूल्य प्रदान करता है।

उपाधि: **औद्योगिक संगठन प्रबंधन में स्नातकोत्तर उपाधि**

रुपात्मकता: **ऑनलाइन**

अवधि: **12 महीने**

प्रमाणन: 60 ECTS

श्री/श्रीमती ________________, पहचान-पत्र संख्या __________,

को पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा करने पर और क्रेडिट प्राप्त करने पर

औद्योगिक संगठन प्रबंधन में स्नातकोत्तर उपाधि

यह 1,800 घंटे का एक निजी योग्यता कार्यक्रम है, जिसकी अवधि 60 ईसीटीएस के बराबर है, जिसकी आरंभ तिथि dd/mm/yyyy और समाप्ति तिथि dd/mm/yyyy है।

TECH Global University एक विश्वविद्यालय है जिसे आधिकारिक तौर पर 31 जनवरी 2024 को अंडोरा सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है, जो यूरोपीय उच्च शिक्षा क्षेत्र (ईएचईए) से संबंधित है।

28 फरवरी 2024 को, अंडोरा ला वेला में

डॉ. Pedro Navarro Illana
रेक्टर

प्रत्येक देश में पेशेवर रुप से अभ्यास करने के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी योग्यता विश्वविद्यालय की डिग्री के साथ यह डिग्री हमेशा साथ होनी चाहिए।

विशिष्ट TECH कोड: AFWOR23S techtitute.com/certificates

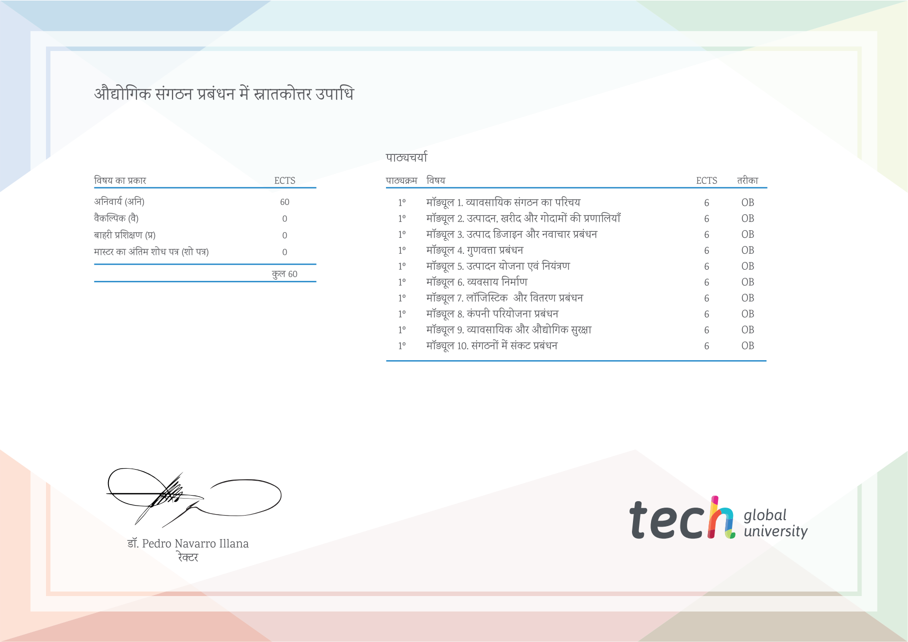

औद्योगिक संगठन प्रबंधन में स्नातकोत्तर उपाधि

विषय का प्रकार	ECTS
अनिवार्य (अनि)	60
वैकल्पिक (वै)	0
बाहरी प्रशिक्षण (प्र)	0
मास्टर का अंतिम शोध पत्र (शो पत्र)	0
	कुल 60

पाठ्यचर्या

पाठ्यक्रम	विषय	ECTS	तरीका
1º	मॉड्यूल 1. व्यावसायिक संगठन का परिचय	6	OB
1º	मॉड्यूल 2. उत्पादन, खरीद और गोदामों की प्रणालियाँ	6	OB
1º	मॉड्यूल 3. उत्पाद डिजाइन और नवाचार प्रबंधन	6	OB
1º	मॉड्यूल 4. गुणवत्ता प्रबंधन	6	OB
1º	मॉड्यूल 5. उत्पादन योजना एवं नियंत्रण	6	OB
1º	मॉड्यूल 6. व्यवसाय निर्माण	6	OB
1º	मॉड्यूल 7. लॉजिस्टिक और वितरण प्रबंधन	6	OB
1º	मॉड्यूल 8. कंपनी परियोजना प्रबंधन	6	OB
1º	मॉड्यूल 9. व्यावसायिक और औद्योगिक सुरक्षा	6	OB
1º	मॉड्यूल 10. संगठनों में संकट प्रबंधन	6	OB

डॉ. Pedro Navarro Illana
रेक्टर

*अपॉस्टिल कन्वेन्शन। यदि छात्र अपॉस्टिल कन्वेन्शन की कागजी डिग्री का अनुरोध करता है, तो TECH Global University अतिरिक्त कीमत पर इसकी प्राप्ति के लिए उचित कदम उठाएगा।

स्नातकोत्तर उपाधि
औद्योगिक संगठन प्रबंधन

» रुपात्मकता: ऑनलाइन
» अवधि: 12 महीने
» उपाधि: TECH Global University
» प्रमाणन: 60 ECTS
» अनुसूची: अपनी गति से
» परीक्षा: ऑनलाइन

स्नातकोत्तर उपाधि
औद्योगिक संगठन प्रबंधन

tech global university